स्नातकोत्तर संस्कृत विभाग: विनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद (झारखण्ड)

Meeting of Board of Studies (Sanskrit) **Date 28-07-23**

Meeting of Board of Studies FYUGP(NEP) Under Graduate Syllabus as per guideline of B.B.M.K.U. Dhanbad

1. **Chairman**

   Dr. Gauri Kumari Munda

   Head University Deptt. of Sans B.B.M.K.U. 28/07/23.

2. **Internal Members**

   i. Dr. Sudhir Prasad Choubey

   University Deptt. of Sans B.B.M.K.U. SPChoubey 28.07.23

   ii. Dr. Ajay Kumar

   University Deptt. of Sans B.B.M.K.U.

   iii. Dr. Meena Kumari मीना कुमारी 28/07/2023

   Deppt. of Sans.

   S.S.L.N.T. College, Dhanbad

   iv. Sri Jairam Jha

   Deppt. of Sans.

   Chass College, Chas

3. **External Members**

   i. Dr. Bharti Dwivedi

   PG Department of Sans.

   Ranchi University Ranchi

   ii. Dr. Himawati Binha

   Deppt. of Sans.

   J.N. College Dhurwa, Ranchi

SEMESTER-I

1. Major Course – MJ-1

संस्कृत साहित्य का इतिहास एवं संधि प्रकरण

Marks : 25(5 Attd + 20SIE :- 1 Hr) + 75 (ESE :- 3 Hrs)=100 Pass Marks : th (SIE+ESE) = 40

C - 04

संस्कृत साहित्य का इतिहास एवं संधि प्रकरण

इकाई–1

- रामायण – सामान्य परिचय, काल निर्धारण, महत्व उपजीव्यता, रामायणकालीन समाज एवं संस्कृति।
- महाभारत – सामान्य परिचय, काल निर्धारण, महत्व उपजीव्यता, महाभारत का विकासक्रम एवं महाभारत का पौर्वापर्य।
- पुराण – पुराणों का परिचय, परिभाषा, लक्षण, महापुराण, उपपुराण, पौराणिक सृष्टि विज्ञान
- कतिपय पुराणों का सामान्य परिचय -- श्रीमद्भागवत् अग्नि, विष्णु, गरुड़ एवं मत्स्य पुराण।
- महाकाव्यों का उद्भव एवं विकास एवं कुमारसम्भवम् नैषधीयचरितम्, सौन्दरानन्द, बुद्धचरितम्, भट्टिकाव्यम् एवं जानकीहरणम् का सामान्य परिचय मात्र।

इकाई–2 : संधि प्रकरण

अच्, हल् एवं विसर्ग संधि (लघु सिद्धान्त कौमुदी के अनुसार)

<u>अनुशंसित पुस्तकें</u> –

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास – आचार्य बलदेव उपाध्याय शारदा निकेतन, वाराणसी।
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास – उमाशंकर शर्मा 'ऋषि' चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
3. लघु सिद्धान्त कौमुदी -- श्री धरानन्द शास्त्री, मोतीलाल बनारसी दास, वाराणसी।
4. लघु सिद्धान्त कौमुदी – डॉ० महेश सिंह कुशवाहा
5. लघु सिद्धान्त कौमुदी – डॉ० गोपाल दत्त पाण्डेय

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

सभी प्रश्नों के उत्तर दें :–

प्रथम प्रश्न में पूरे पाठ्यक्रम से 15 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछ जाएंगे	15x1= 15
द्वितीय प्रश्न में कुल चार टिप्पणी अपेक्षित है कुल छः टिप्पणियाँ पूछी जाएंगी।	5x4 = 20
तृतीय प्रश्न में इकाई–2 संधि प्रकरण से दो सूत्रों की सदोहारण व्याख्या अपेक्षित है कुल चार सूत्र पूछे जायेंगे।	2x10= 20
चौथे प्रश्न में पूरे पाठ्यक्रम से आधारित एक आलोचनात्मक प्रश्न के उत्तर देने होंगे कुल तीन प्रश्न पूछे जायेंगे।	20x1= 20
	= 75

<u>खण्ड–ख</u>

आन्तरिक मूल्यांकन 20+05 = 25 अंक

<u>SEMESTER-II</u>

Major Course – MJ – 2

संस्कृत पद्य साहित्यों का विशिष्ट अध्ययन एवं व्याकरण

Marks : 25(5 Attd + 20SIE :- 1 Hr) + 75 (ESE :- 3 Hrs) = 100 Pass Marks : th (SIE + ESE) = 40

C-04

पद्य साहित्य एवं व्याकरण

इकाई सं0–1 पद्य साहित्य का उद्भव एवं विकास

- रघुवंशम् .... सर्ग (1 से 20 श्लोक)
- किरातार्जुनीयम् .... सर्ग (1 से 20 श्लोक)
- पूर्व मेघदूतम् .... (1 से 20 श्लोक)
- शिशुपालवधम् .... सर्ग (1 से 20 श्लोक)

इकाई सं0–2 संज्ञा प्रकरण

- व्याकरण शास्त्र का उद्भव व विकास – संक्षिप्त–परिचय
- माहेश्वर सूत्र एवं प्रत्याहारों का परिचय मात्र
- पारिभाषिक शब्द –
  प्रातिपादिक, सम्प्रसारण, संहिता, गुण, वृद्धि, नदी, घि, उपधा, अपृक्त, गति पद, विभाषा, सवर्ण, टि, प्रगृहय, सर्वनाम स्थान, निष्ठा, लोप।
- शब्द रूप – राम लता, नदी, गुरू, मधु, साधू सर्व, सखि
- धातु रूप – भू, अस, कृ, पठ्, पच्, सेव

<u>अनुशंसित पुस्तकें</u>

1. रघुवंश महाकाव्य, मोतीलाल बनारसीदास, श्रीधरानन्द मिश्र
2. रघुवंश महाकाव्य, चौखम्बा, संस्कृत संस्थान, हरगोविन्द शास्त्री
3. किरातार्जुनीयम् प्रथम सर्ग – पं0 वी0 एस0 मुसलगांवकर आगरा बिनोद पुस्तक मंदिर
4. किराताजुनीयम् प्रथम सर्ग – अखिलेश पाठक लखनऊ, प्रकाशन केन्द्र
5. शिशुपालबधम् – बद्रीनारायण मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन।
6. पूर्व मेघदूतम् – शेषराज रेग्मी चौखम्बा विद्या भवन।
7. वृहद् अनुवाद चन्द्रिका–चक्रधर "नौटियाल"।
8. व्याकरण शास्त्र का संक्षिप्त इतिहास – श्री रामाकांत मिश्र।

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यांश से 15 वस्तुनिष्ठ
प्रश्न पूछे जाएंगे — 15x1=15

दूसरे प्रश्न में इकाई–1 से एक संस्कृत अनुवाद — 10x2 = 20
और एक हिन्दी अनुवाद अपेक्षित होगी कुल चार पद्य दिये जाएंगे।

तीसरे प्रश्न में इकाई–2 व्याकरण से दो प्रश्न अपेक्षित होगी कुल चार — 10x2=20
प्रश्न पूछे जाएंगे।

चौथे प्रश्न में पूरे पाठ्यक्रम से एक आलोचनात्मक प्रश्न अपेक्षित होंगे कुल तीन प्रश्न पूछे जाएंगे।

1x20 = 20

Total = 75

<u>खण्ड–ख</u>

आन्तरिक मूल्यांकन 20 + 5 = 25

SEMESTER-II

Major Course – MJ-03

काव्य–शास्त्र

Marks : 25(5 Attd + 20 SIE:- 1 Hr) + 75 (ESE:- 3 Hrs)=100 Pass Marks: th (SIE+ESE) = 40

C-04

काव्य शास्त्र –

इकाई 1

- काव्य शास्त्र का उद्भव एवं विकास
- संस्कृत काव्यशास्त्रों के प्रमुख आचार्यों का परिचय
- भरत, भामह, दण्डी, वामन, आनन्दवर्धन अभिनवगुप्त, कुन्तक, क्षेमेन्द्र, मम्मट, विश्वनाथ और जगन्नाथ

इकाई–2

- काव्य प्रकाश (नवम एवं दशम उल्लास)
- अलंकार – अनुप्रास, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा रूपक, उत्प्रेक्षा, यमक, समासोक्ति, अपह्नुति, निदर्शना। अर्थान्तरन्यास, दृष्टान्त, विभावना, विशेषोक्ति, परिसंख्या संकर (काव्य प्रकाशानुसार)

अनुशंसित पुस्तकें :–

1. काव्य प्रकाश – वामन झलकीकर
2. काव्य प्रकाश – डॉ0 रामसागर त्रिपाठी
3. मम्मटकृत काव्यप्रकाश – आचार्य विश्वेश्वर ज्ञानमण्डल लिमिटेड वाराणसी
4. संस्कृत काव्यशास्त्र के आचार्य – प्रो0 राधाबल्लभ त्रिपाठी
5. भारतीय आलोचना शास्त्र – राजवंश सहाय हीरा
6. भारतीय काव्यशास्त्र – राजवंश सहाय हीरा

प्रश्न चयन निर्देश :–

1. उपर्युक्त सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से कुल 15 वस्तुनिष्ठ प्रश्न प्रष्टव्य होंगे। 1x15=15
2. इकाई–1 से किन्ही 1 समालोचनात्मक प्रश्नों का उत्तर देय होगा, कुल 2 प्रश्न प्रष्टव्य होंगे। 2x10=20
3. इकाई–2 से किन्हीं एक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर अपेक्षित होगा कुल दो प्रश्न प्रष्टव्य होंगे। 1x20=20
4. इकाई–2 से किन्हीं दो अलंकारों की व्याख्या सोदाहरण अपेक्षित होगी, कुल 4 अलंकार प्रष्टव्य होंगे। 2x10=20

SEMESTER-III

Major Course – MJ-04

भारतीय दर्शन का सामान्य परिचय

Marks: 25(5 Attd + 20 SIE:- 1 Hr) + 75 (ESE :- 3 Hrs)=100 Pass Marks : th (SIE+ESE) = 40

C-04

आस्तिक दर्शन

वैदिक दर्शन षड्दर्शन (आस्तिक दर्शन)

- न्याय
- वैशेषिक
- सांख्य
- योग
- मीमांसा
- वेदान्त

अनुशंसित पुस्तकें :–

1. षड्दर्शन संग्रह – उमाशंकर शर्मा 'ऋषि'
2. भारतीय दर्शन – राधाकृष्णन् भाग 1 एवं 2
3. भारतीय दर्शन – बलदेव उपाध्याय
4. भारतीय दर्शन – जगदीश चन्द्र मिश्र
5. भारतीय दर्शन का इतिहास

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

1. प्रथम प्रश्न में उपर्युक्त सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 15 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 15x1=15
2. द्वितीय प्रश्न में दो लघु उत्तरीय प्रश्न अपेक्षित होंगे जिनमें कुल चार प्रश्न पूछे जायेंगे। 10x2=20
3. तृतीय प्रश्न में दो टिप्पणी लिखने होंगे। जिनमें चार टिप्पणी पूछे जायेंगे। 10x2=20
4. चतुर्थ प्रश्न में पूरे पाठ्यक्रम से एक आलोचनात्मक प्रश्न के उत्तर अपेक्षित है दो प्रश्न पूछे जायेंगे। 1x20=20

SEMESTER-III

Major Course – MJ-05

श्रीमद्भगवद् गीता एवं कठोपनिषद्

Marks : 25(5 Attd + 20 SIE :- 1 Hr) + 75 (ESE :- 3 Hrs)=100 Pass Marks : th (SIE+ESE) = 40

C-04

श्रीमद्भगवद् गीता एवं कठोपनिषद्

इकाई–1 – • श्रीमद्भगवद् गीता : द्वितीयाध्याय (श्लोक 39 से 72)

इकाई–2 – • कठोपनिषद् : प्रथम एवं द्वितीय वल्ली

इकाई–3 – • अनुवाद : संस्कृत से हिन्दी एवं हिन्दी से संस्कृत

अनुशंसित पुस्तकें –

1. कठोपनिषद् – डॉ0 सुरेन्द्र देव शास्त्री, चौखम्बा, सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
2. कठोपनिषद् – गीता प्रेस, गोरखपुर
3. श्रीमद्भगवद् गीता – शांकरभाष्य, हिन्दी अनुवाद सहित गीता प्रेस गोरखपुर
4. श्रीमद्भगवद् गीता – आचार्य शिव प्रसाद द्विवेदी, चौखम्बा सुर भारती प्रकाशन, वाराणसी

प्रश्न चयन विधि :–

1. उपर्युक्त सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से कुल 15 प्रश्न प्रष्टव्य होंगे। 1x15=15
2. इकाई–1 से किन्हीं दो श्लोकों का हिन्दी अनुवाद अपेक्षित होगा कुल 4 श्लोक प्रष्टव्य होंगे। 2x10=20
3. इकाई 1, 2 एवं 3 से किन्हीं 2 श्लोकों की संस्कृत व्याख्या अपेक्षित होगी। कुल 4 श्लोक प्रष्टव्य होंगे। 2x10=20
4. इकाई 1 एवं इकाई 2 से एक आलोचनात्मक प्रश्न प्रष्टव्य होगा। जिसमें कुल दो प्रश्न पूछे जायेंगे। 1x20=20

SEMESTER-IV

Major Course – MJ-06

भारतीय संस्कृति एवं राजनीति

Marks : 25(5 Attd + 20SIE :- 1 Hr) + 75 (ESE :- 3 Hrs)=100 Pass Marks : th (SIE+ESE) = 40

C-04

भारतीय संस्कृति एवं राजनीति

इकाई–1 –
- भारतीय संस्कृति की विशेषताएँ
- आश्रम व्यवस्था की अवधारणा एवं आश्रम चतुष्टय
- पुरूषार्थ की अवधारणा एवं पुरूषार्थ चतुष्टय
- षोडश संस्कारों का सामान्य परिचय

इकाई–2 –
- प्राचीन भारतीय राजनीति
- राज्य की उत्पत्ति के कारण तथा उत्पत्ति के सिद्धान्त
- राजा की दिनचर्या, कर्त्तव्य राजा की सुरक्षा
- राज्य का स्वरूप राज्य का सप्रकृति सिद्धान्त राज्य का महत्व एवं कार्य
- षाड्गुण्य नीति

अनुशंसित पुस्तकें :–

1. धर्मशास्त्र का इतिहास – भारत रत्न, पी.वी. काणे
2. भारतीय संस्कृति के मूल तत्व – डॉ0 सुखवीर सिंह, साहित्य भण्डार, मेरठ
3. भारतीय संस्कृति एवं कला – वाचस्पति गैरोला, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान लखनऊ
4. हिन्दू संस्कार – राजबलि पाण्डेय
5. प्राचीन भारत का सामाजिक इतिहास – डॉ0 जयशंकर मिश्र
6. कौटिल्य के राजनीतिक एवं सामाजिक विचार – डॉ0 मणिशंकर प्रसाद
7. स्मृति ग्रन्थों में वर्णित समाज – डॉ0 मीना शुक्ला

प्रश्न चयन निर्देश :–

1. उपर्युक्त सम्पूर्ण पाठ्यांश से कुल 15 वस्तुनिष्ठ प्रश्न प्रष्टव्य होंगे। 1x15=15
2. इकाई–1 से किन्हीं एक दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अपेक्षित होगा कुल दो प्रश्न प्रष्टव्य होंगे। 1x20=20
3. इकाई–2 से किन्हीं दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर अपेक्षित होगा, कुल तीन प्रश्न प्रष्टव्य होंगे। 2x20=40

SEMESTER-IV

Major Course – MJ-07

भारतीय धर्मशास्त्र

Marks : 25(5 Attd + 20 SIE :- 1 Hr) +75 (ESE :- 3 Hrs)=100 Pass Marks: th (SIE+ESE) = 40

C-04

इकाई–1 मनुस्मृति – द्वितीय और सप्तम अध्याय

इकाई–2 याज्ञवल्क्यस्मृति – गृहस्थ धर्म, प्रकरण, दायभाग प्रकरण

अनुशंसित पुस्तकें :–

1. मनुस्मृति
2. धर्मशास्त्र का इतिहास – पी.बी. काणे
3. याज्ञवल्क्यस्मृति – डॉ0 उमेश चन्द्र पाण्डेय
4. याज्ञवल्क्यस्मृति – डॉ0 श्रीनारायण मिश्र
5. याज्ञवल्क्यस्मृति – डॉ0 गंगासागर राय

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

1. प्रथम प्रश्न में पूरे पाठयांश से 15 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। 1x15=15
2. द्वितीय प्रश्न में इकाई–1 से एक श्लोक का हिन्दी अनुवाद एवं एक श्लोक संस्कृत व्याख्या अपेक्षित होगा कुल 2+2=4 श्लोक प्रष्टव्य होगा। 2x10=20
3. तृतीय प्रश्न में इकाई–2 से एक श्लोक का हिन्दी अनुवाद एवं एक श्लोक का संस्कृत व्याख्या अपेक्षित होगा कुल 2+2 = 4 श्लोक प्रष्टव्य होंगे। 2x10=20
4. चतुर्थ प्रश्न में एक समालोचनात्मक प्रश्न देय होगा जिसमें कुल दो प्रश्न प्रष्टव्य होंगे। 1x20=20

SEMESTER-IV

Major Course – MJ-08 :

कौटिल्य का अर्थशास्त्र – (प्रथम एवं द्वितीय अधिकरण)

Marks : 25(5 Attd + 20 SIE :- 1 Hr) + 75 (ESE :- 3 Hrs)=100 Pass Marks : th (SIE+ESE) = 40

C - 04

इकाई–प्रथम–1 – विनयाधिकारिक प्रथम अधिकरण

विद्या विषयक विचार, अमात्यों की नियुक्ति, मंत्री और पुरोहित की नियुक्ति गुप्तचरों की आचरणों की परीक्षा एवं उनकी नियुक्ति, मंत्राधिकार, राजभवन का निर्माण एवं राजा के कर्त्तव्य

इकाई–द्वितीय–2 – अध्यक्ष प्रचार (दूसरा अधिकरण)

जनपदों की स्थापना, दुर्ग का निर्माण कोषगृह का निर्माण एवं कोषाध्यक्ष के कर्त्तव्य, समाहर्त्ता का कर संग्रह का कार्य, अध्यक्षों द्वारा गबन किये गये धन की पुनः प्राप्ति, कर वसूली के नियम मुद्रा विभाग और चारागाह विभाग के अध्यक्ष कोष में रखने योग्य रत्नों की परीक्षा।

अनुशंसित पुस्तकें –

1. कौटिल्य का अर्थशास्त्र – वाचस्पति गैरोला चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
2. कौटिल्य के राजनीतिक एवं सामाजिक विचार – डॉ० मणिशंकर प्रसाद

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

1. प्रथम प्रश्न में पूरे पाठ्यांश से 15 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे। 1x15=15
2. द्वितीय प्रश्न में इकाई 1 से दो लघु उत्तरीय प्रश्न अपेक्षित होगा जिसमें कुल चार प्रश्न प्रष्टव्य होंगे। 2x10 = 20
3. तृतीय प्रश्न में इकाई 2 से दो लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर अपेक्षित होगा जिसमें कुल चार प्रश्न प्रष्टव्य होंगे। 2x10=20
4. चतुर्थ प्रश्न में समालोचनात्मक प्रश्न का उत्तर देय होगा कुल दो प्रश्न प्रष्टव्य होंगे। 1x20=20

SEMESTER-I

Courses of study for FYUGP in 'Sanskrit' MINOR
Minor Course – 1 A
1. Minor Course – MNIA
नीति साहित्य

Marks : 25(5 Attd + 20 SIE : 1 Hr) + 75 (ESE : 3 Hrs) = 100 Pass Marks : th (SIE + ESE) = 40

C = 04

इकाई–1 हितोपदेश (मित्र लाभ)
इकाई–2 पंचतन्त्र (अपरीक्षित कारक)
इकाई–3 नीति साहित्य का उदभव एवं विकास

अनुशंसित पुस्तकें :–
1. हितोपदेश विश्वनाथ शर्मा
2. पंचतंत्र श्यामचरण पाण्डेय
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास – आचार्य बलदेव उपाध्याय
4. संस्कृत साहित्य का इतिहास – वाचस्पति गैरोला

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

सभी प्रश्नों के उत्तर दें :–

प्रथम प्रश्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 15 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे। 1x15=15

द्वितीय खंड में इकाई–1 से किन्हीं दो श्लोकों का हिन्दी अनुवाद पूछा जाएगा। कुल 4 श्लोक देय होंगे। 2x10=20

तृतीय खंड में इकाई–2 से किन्हीं 2 श्लोकों का हिन्दी अनुवाद पूछा जाएगा। कुल 4 श्लोक देय होंगे। 2x10=20

चतुर्थ खंड में किन्हीं एक समालोचनात्मक प्रश्न का उत्तर देय होगा, कुल तीन प्रश्न पूछे जायेंगे। 1x20= 20

SEMESTER-III

Minor Course – IB
Minor Course – MNI B

संस्कृत साहित्य का इतिहास

Marks :- 25 (5 Attd + 20 SIE : 1 Hr) + 75 (ESE : 3 Hrs) = 100 Pass Marks : th (SIE + ESE) = 40

C-04

इकाई–1 :– वैदिक साहित्य का सामान्य परिचय :–

- वेदों का सामान्य परिचय, वेदों का काल, ब्राह्मण, आरण्यक एवं उपनिषदों का सामान्य परिचय।
- वेदांगों का सामान्य परिचय

इकाई–2 आर्ष महाकाव्यों का सामान्य परिचय :–

- रामायण – सामान्य परिचय, काल निर्धारण, महत्व, उपजीव्यता रामायण कालीन समाज और संस्कृति।
- महाभारत – सामान्य परिचय, काल निर्धारण, महत्व, उपजीव्यता महाभारत का विकास क्रम एवं महाभारत का पौर्वापर्य।

इकाई–3 पुराण :–

- पुराणों का परिचय, परिभाषा, लक्षण, महापुराण, उपपुराण पौराणिक सृष्टि विज्ञान
- कतिपय पुराणों का सामान्य परिचय – श्रीमद्भागवत, अग्नि, विष्णु गरूड़ एवं मत्स्य।

अनुशंसित पुस्तकें :–

1. वैदिक साहित्य का इतिहास – पारसनाथ द्विवेदी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास – आचार्य बलदेव उपाध्याय।
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास – वायस्पति गैरोला।

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश :–

1. प्रथम प्रश्न में उपर्युक्त सम्पूर्ण पाठ्यांश से कुल 15 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे। 1x15=15
2. इकाई–1 से किन्हीं एक प्रश्न का आलोचनात्मक उत्तर प्रष्टव्य होगा। कुल दो प्रश्न प्रष्व्य होंगे। 1x20=20
3. इकाई–2 से किन्हीं एक प्रश्न का समीक्षात्मक उत्तर अपेक्षित होगा। कुल दो प्रश्न प्रष्टव्य होंगे। 1x20=20
4. इकाई–3 से किन्हीं एक प्रश्न का समीक्षात्मक उत्तर अपेक्षित होगा। कुल दो प्रश्न प्रष्टव्य होंगे। 1x20=20

खण्ड–ख

आन्तरिक मूल्यांकन – 20 + 5 = 25 अंक

<u>SEMESTER-III</u>

AEC-I

आयर्वेद, पर्यावरण एवं योग

Marks : 75(ESE : 3 Hrs) = 75 Pass Marks : th (ESE) = 30 – (Credits : th = 03)

इकाई–1 – आयुर्वेद :–

- आयुर्वेद का अर्थ, परिभाषा एवं मूलभूत सिद्धान्तों का सामान्य परिचय।
- दिनचर्या, ऋतुचर्या, सद्वृत्त का मानव स्वास्थ्य – संरक्षण में महत्व।
- स्वास्थ्य संवर्द्धन हेतु औषधियों के निर्माण संबंधित ज्ञान एवं आयुर्वेद में शल्य–कर्म संबंधित ज्ञान।

इकाई–2 – योग :–

- योग का सामान्य परिचय, अर्थ, परिभाषा, योग के प्रकार, योग की उपयोगिता।
- योग के विभिन्न आसनों का परिचय, महत्व एवं सावधानियाँ।
- प्राणायाम की परिभाषा, अष्टांग योग के अन्तर्गत यम–नियम का स्वरूप, आसन एवं प्राणायाम की अवधारणा।

इकाई–3 – पर्यावरण :–

- पर्यावरण की परिभाषा, पर्यावरण की व्यापकता

पंचमहाभूतों का परिचय, पर्यावरण प्रदूषण, संस्कृत वाङमय में निर्दिष्ट पर्यावरण संरक्षण के सामान्य एवं विशिष्ट उपाय, जैव संरक्षण, जल प्रबंधन, रामायण एवं कालिदास के साहित्य में वनस्पतियाँ।

अनुशंसित पुस्तकें :–

1. आयुर्वेद का वैज्ञानिक इतिहास, आचार्य प्रियव्रत शर्मा, चौखम्बा, वाराणसी
2. आयुर्वेद इतिहास एवं परिचय – विद्याधर शुक्ल एवं रविदत्त शास्त्री चौखम्बा, वाराणसी
3. संस्कृत साहित्य में आयुर्वेद – अत्रिदेव विद्यालंकार, भारतीय ज्ञानपीठ, काशी प्रथम संस्करण 1956
4. पातंजल योगदर्शनम्, सुरेन्द्र चन्द्र श्रीवास्तव चौ0 सुरभारती प्रकाशन वाराणसी
5. प्राकृतिक आयुर्विज्ञान, राकेश जिन्दल आरोग्य सेवा प्रकाशन वाराणसी
6. योग एवं स्वास्थ्य पी0डी0 मिश्र रैपिडेक्स बुक्स पुस्तक महल
7. अष्टांगहृदयम – ब्रह्मानन्द त्रिवेदी
8. संस्कृत साहित्य में पर्यावरण चेतना – डॉ0 धनंजय वासुदेव द्विवेदी, श्री कृष्ण साहित्य सदन, दिल्ली।
9. आयुर्वेदशास्त्र ज्योतिष शास्त्र और योग शास्त्र का अन्त सम्बन्ध – डॉ0 श्री प्रकाश सिंह, इस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली।

प्रश्न चयन निर्देश :—

1. उपर्युक्त सम्पूर्ण पाठ्यांश से कुल 15 वस्तुनिष्ठ प्रश्न प्रष्टव्य होंगे। 1x15=15

2. इकाई – 1 से किन्हीं एक आलोचनात्मक प्रश्न का उत्तर अपेक्षित होगा। कुल दो आलोचनात्मक प्रश्न प्रष्टव्य होंगे। 1x20=20

3. इकाई–2 से किन्हीं एक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर देय होगा, कुल दो प्रश्न प्रष्टव्य होंगे। 1x20=20

4. इकाई–3 से किन्हीं एक समालोचनात्मक प्रश्न का उत्तर अपेक्षित होगा। कुल दो प्रश्न प्रष्टव्य होंगे। 1x20=20